THRU the BIBLE



दीना और शेकेमवासी

प्रार्थना के साथ शुरुआत करें
पढ़ें: उत्पत्ति 34:1-31
सुनें: THRU the BIBLE: उत्पत्ति 34:1-31

प्रिय परमेश्वर,

हमें अपनी शारीरिक इच्छाओं में आकर काम करने से बचाएं। जब हमारे साथ कुछ गलत हो, तो खुद बदला लेने के बजाय आपके न्याय पर भरोसा करने में हमारी मदद करें। हमें समझदारी से आगे बढ़ने का साहस और बदला लेने की बात आपके हाथों में सौंपने का विश्वास दें।

आमीन।

एक पारिवारिक कलंक

उत्पत्ति 34:1-31

याकूब को अपने परिवार सहित लाबान के घर से निकल जाने के लिए प्रेरित करने का एक कारण यह था कि वहाँ उसके बच्चे अधार्मिक वातावरण के प्रभाव में आ रहे थे। याकूब के लिए पारिवारिक परेशानियाँ कोई नई बात नहीं थीं। हमने अब्राहम और इसहाक के परिवारों में भी झगड़े देखे थे। याकूब का परिवार भी मुश्किलों से गुज़रा, खासकर लियाह के चार बेटों की वजह से। ऐसा शायद इसलिए हुआ क्योंकि एक से ज़्यादा शादियाँ हुई थीं या इसलिए कि याकूब लिया से प्यार नहीं करता था और उसके बच्चों को याकूब से कम अहमियत मिलती थी। ये चारों पुत्र - इस घटना में शिमोन और लेवी, तथा आगे चलकर पहिलौठा रूबेन और यहूदा - अपने जीवन में खुलेआम किए गए पाप के कारण बुरी तरह असफल सिद्ध हुए।

जब याकूब ने अपने परिवार को कनान में बसाया, तो उसे उम्मीद थी कि वह उन्हें अपनी मूल संस्कृति से फिर से जोड़ पायेगा। एक दिन, उसकी बेटी दीना पास के शहर में गई। शहर के ही एक आदमी ने जो हिव्वी जाति के हमोर का बेटा था उसे देखा और उसके साथ बलात्कार किया। इस घटना के बाद, वह दोषी युवक उससे शादी करना चाहता था।

जब उसके भाइयों को यह बात पता चली, तो उन्होंने आपस में सलाह-मशविरा किया। उस युवक शेकेम का पिता हमोर, अपने पुत्र के लिए दीना का हाथ माँगने आया। वह यह प्रस्ताव भी रखना चाहता था कि उनके परिवारों के बीच और भी शादियाँ हों ताकि वे एक समुदाय बन जाएँ (और विरासत के ज़रिए याकूब की दौलत उनकी हो जाए)।

क्योंकि परमेश्वर की नज़र में दूसरी जाति में शादी करना गलत था, इसलिए याकूब को अपने बेटों का मार्गदर्शन करना चाहिए था। लेकिन उसे पता नहीं था कि वे शकेम और हामोर को धोखा देने की योजना बना रहे थे।



उन्होंने धोखे से कहा, "हम अपनी बहन को किसी ऐसे इंसान से शादी करने की इजाज़त नहीं दे सकते जिसका खतना न हुआ हो।" (लेकिन उनकी बहन के खिलाफ़ हुए जुर्म के बारे में कुछ नहीं बताया गया।) याकूब के बेटों ने चुनौती दी। "अगर तुम खतने की रस्म से गुज़रने को तैयार हो, तो सब ठीक हो जाएगा।" (यह ऐसा है जैसे कोई कहे कि अगर तुम किसी कलीसिया में शामिल हो जाते हो और सभी सही शब्दों का इस्तेमाल करते हो, तो तुम मसीह हो। लेकिन यह सच नहीं है। अगर तुमने मसीह पर भरोसा किया है, तो कुछ हुआ है, और तुम एक अलग इंसान हो।)

इसलिए शेकेम और हामोर के लोग खतना करवाने के लिए राज़ी हो गए। और जब वे इस नाज़ुक सर्जरी से ठीक हो रहे थे, तब दीना के भाई, शिमोन और लेवी, शहर में गए और बदला लेने के लिए वहाँ के सभी पुरुषों को मार डाला। फिर दूसरे भाई भी उनके साथ हो लिए और उन्होंने शहर के सारे मवेशी, धन-दौलत, औरतें और बच्चे लूट लिए।

जब वे घर लौटे, तो याकूब ने कहा, "तुम लोगों ने मेरे देश के लोगों के बीच मेरा नाम खराब कर दिया है।" उसने उन्हें इसलिए डाँटा कि उन्होंने उसकी बदनामी कराई, लेकिन उनके किए गए पाप के बारे में कुछ नहीं कहा। याकूब में बदलाव आ रहा है, लेकिन वह अभी पूरी तरह नहीं बदला है।

फिर लड़कों ने अपना और अपनी बहन का बचाव किया। "किसी न किसी को तो कुछ करना ही था!" लेकिन ज़ाहिर है, उन्होंने हद पार कर दी।

आज हम परमेश्वर के उस निर्देश को जानते हैं जिसके अनुसार बदला लेने का काम हमें नहीं, बल्कि परमेश्वर को करने देना चाहिए (देखें रोमियों 12:19-21)। जिस पल हम बदला लेने की कोशिश करते हैं, उसका मतलब है कि हम अब विश्वास से नहीं चल रहे हैं। हम यह कह रहे होते हैं कि हमें परमेश्वर पर भरोसा नहीं है कि वे इस मामले को सुलझा लेंगे।

स्वयं पर भरोसा जीवनभर के पछतावे का कारण बनता है।

उसकी ज़िंदगी के इस हिस्से में जो दुखद घटनाएँ हुईं, वे याकूब के अपनी इंसानी ताकत और इच्छा के अनुसार चलने का नतीजा थीं। पेनीएल में जब उसने परमेश्वर के साथ कुश्ती की, तो याकूब ने खुद पर भरोसा न करना तो सीख लिया, लेकिन अभी तक यह नहीं सीखा था कि परमेश्वर पर कैसे भरोसा किया जाए। वह अपने परिवार का एक धर्मी अगुवा नहीं था और न ही अपने 11 बेटों को संभालने के काबिल था। इस दुखद घटना के बाद, याकूब अब अपनी ज़िंदगी में परमेश्वर का हाथ देखने लगा है, और फिर वह एक ऐसा फ़ैसला करता है जो उसे बहुत पहले ही कर लेना चाहिए था।

> उसकी ज़िंदगी के इस अध्याय में जो दुखद घटनाएँ घटीं, वे याकूब के शरीर की इच्छाओं और अपनी ताकत पर चलने का नतीजा थीं।

सारांश तालिका:
याकूब का रूपांतरण

सिद्धांत	पुराना मनुष्य (याकूब)	नया मनुष्य (इस्राएल)	नया नियम का आदेश
स्थिति	आत्म-निर्भर	अयोग्य / दया का पात्र	लूका 18:13-14
तरीका	कुश्ती / संघर्ष	पकड़े रहना / समर्पण करना	2 कुरिन्थियों 12:9
भरोसा	विस्तृत वैकल्पिक योजनाएँ	वचन में विश्राम करना	1 पतरस 5:7
न्याय	शारीरिक प्रतिशोध	परमेश्वर के क्रोध पर भरोसा करना	रोमियों 12:19

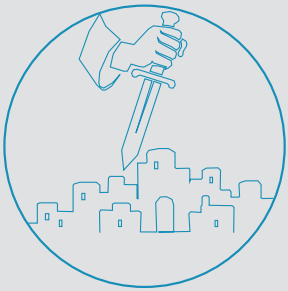


परमेश्वर के अनन्त सत्य

उत्पत्ति 34 से हमारे लिए सीख

सत्य: अपनी इच्छाओं के अनुसार चलने से दुखद परिणाम मिलते हैं, और बदला लेना परमेश्वर का काम है।

- **सत्य:** याकूब के बेटों ने अपनी बहन पर हुए हमले का बेरहमी से बदला लिया। उन्होंने धोखे का सहारा लिया—वही तरीका जो उनके पिता इस्तेमाल करते थे—और पूरे शहर का कत्लेआम कर दिया। लेकिन नया नियम साफ़ कहता है कि बदला लेने का काम हमें परमेश्वर पर छोड़ देना चाहिए। जिस पल हम बदला लेने की कोशिश करते हैं, हम यह ज़ाहिर करते हैं कि हमें परमेश्वर पर भरोसा नहीं है कि वह सब ठीक कर देंगे; इससे पता चलता है कि हम अब विश्वास के रास्ते पर नहीं चल रहे हैं।



- **नए नियम से संबंध:** रोमियों 12:19-21"हे प्रियों अपना बदला न लेना; परन्तु परमेश्वर को क्रोध का अवसर दो, क्योंकि लिखा है, "बदला लेना मेरा काम है, प्रभु कहता है मैं ही बदला दूँगा। बुराई से न हारो परन्तु भलाई से बुराई को जीत लो।" गलातियों 5:16 "पर मैं कहता हूँ, आत्मा के अनुसार चलो, तो तुम शरीर की लालसा किसी रीति से पूरी न करोगे।"



मनन के लिए प्रश्न

सवाल 1

शरीर या आत्मा: जब कोई आपके साथ बुरा करता है, तो क्या आपकी पहली सोच अपनी गवाही को बचाने की होती है या अपने अहंकार को बचाने की? खुद बदला लेने से परमेश्वर के न्याय पर भरोसे की कमी कैसे पता चलती है?

सवाल 2

अगुवाई में कमी: मुश्किल समय में याकूब अपने बेटों का सही मार्गदर्शन नहीं कर पाए और इसके नतीजे बहुत बुरे रहे। क्या आपके परिवार या रिश्तों में ऐसी कोई स्थिति है जहाँ आप मुश्किल अगुवाई की ज़िम्मेदारी लेने से बच रहे हैं, क्योंकि ऐसा करना आपको असहज लगता है?

सवाल 3

क्या आपकी ज़िंदगी में कभी "शिमोन और लेवी" जैसा कोई पल आया है - यानी कोई ऐसी स्थिति जब आपने आत्मा की बजाय अपनी इंसानी फितरत के हिसाब से प्रतिक्रिया दी हो? सोचिए कि क्या आप किसी ऐसे व्यक्ति को आशीर्वाद दे सकते हैं या उससे प्यार से बात कर सकते हैं जिसने आपके साथ बुरा किया हो, और बदला लेने का काम पूरी तरह से प्रभु पर छोड़ दें।

सवाल 4

याकूब ने अपनी बदनामी के लिए अपने बेटों को डांटा, लेकिन उस पाप के बारे में कुछ नहीं कहा। पवित्र आत्मा से पूछें कि आप कहाँ इस बात पर ज़्यादा ध्यान दे रहे हैं कि चीज़ें कैसी दिखती हैं, बजाय इसके कि असल में सही क्या है।

THRU the BIBLE

हमारे रिसोर्स का इस्तेमाल करें

THRU the BIBLE ऐप डाउनलोड करें और 200 से ज़्यादा भाषाओं में उपलब्ध ऑडियो बाइबल शिक्षाएँ सुनें।

Visit ttb.bible

हमारी वेबसाइट पर 'स्क्रिप्चर एंगेजमेंट' बुक सीरीज़ के और भी वॉल्यूम वाली इंटरैक्टिव डिजिटल फ्लिप बुक देखें।

Visit ttbsa.org